दिनांक :- 04-04-2020

कॉलेज का नाम :- मारवाड़ी कॉलेज दरभंगा

वर्ग :- B.A Part (1) प्रतिष्ठा इतिहास (History Honours)

नव पाषाण काल

पहला नव पाषाणकालिक स्थल, एच. सी. मेस्यूरर के द्वारा 1860 ई० में उत्तर प्रदेश में खोजा गया। दक्षिण भारत के नव पाषाणिक स्थल से गौशाला का प्रमाण मिलता है। इस काल का आधारभूत तत्व है: खाद्य उत्पादन तथा पशुओं को पालतू बनाये जाने की जानकारी का विकास नियोलिथिक शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग सर जॉन लुबाक ने 1865 ई० में किया था।

नव पाषाण काल की निम्नलिखित महत्वपूर्ण विशेषताएँ है: कृषि कार्य का प्रारम्भ, पशुपालन का विकास, पत्थर के औजारों का घर्षित एवं पॉलिशदार उपकरणों का निर्माण तथा ग्राम समुदाय का प्रारम्भ।

विश्वस्तरीय संदर्भ में नव पाषाण युग की शुरुआत लगभग 9000 ई० पू० में मानी जाती है

Scanned with CamScanner

परंतु भारत में बलूचिस्तान के मेहरगढ़ से कृषि का प्रारंभिक साक्ष्य मिलता है। लगभग 7000 ई० पू० पुराना है। प्रायः ऐसा माना जाता है कि हस्त निर्मित मृद्भांडों की उपस्थिति सर्वप्रथम खाद्य उत्पादक बस्तियों का अनिवार्य लक्षण थी परंतु नवीन अनुसंधानों ने यह सिद्ध कर दिया है कि बहुत से क्षेत्रों में आरंभिक खाद्य उत्पादक स्थलों पर मृद्भांड के साक्ष्य नहीं मिलते इन्हें मृद्भांड पूर्व नवपाषाण कालीन स्थल कहा जाता है।

हाल तक यह विचार था कि सर्वप्रथम पश्चिम एशिया में कृषि व पशुपालन की शुरुआत हुई और यहीं से विसरण (Diffusion) द्वारा विश्व के अन्य क्षेत्रों में इसका प्रसार हुआ। परंतु अब यह धारणा परिवर्तित हो गयी है और ऐसा माना जाने लगा है कि विभिन्न क्षेत्रों में इसका विकास स्वतंत्र रूप में हुआ है।

नव पाषाणकाल युग के लोगों के द्वारा व्यवहार में लाई गई कुल्हाड़ियों के आधार पर बस्तियों के निम्नांकित भाग निर्धारित किए गए :

(1) उत्तर पश्चिमी (2) उत्तर क्षेत्र (कश्मीर घाटी) और

(3) दक्षिणी (4) दक्षिण पूर्वी उत्तर प्रदेश (इलाहाबाद, मिर्जापुर)

(5) मध्य पूर्वी क्षेत्र (उत्तरी बिहार) (6) पूर्वोत्तर क्षेत्र

(7) मध्य पूर्वी क्षेत्र (छोटा नागपुर, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल)

(1) उत्तर पश्चिमी :- कश्मीर एक महत्वपूर्ण नव पाषाणकाल स्थल है। कश्मीर में बुर्जहोम एवं गुफकराल ये दो महत्वपूर्ण स्थल है। कश्मीर के स्थलों की महत्वपूर्ण विशेषताएँ हैं: गर्तनिवास, मृद्भाण्डों की विविधता, पत्थर व हड्डियों के विभिन्न औजारों का प्रयोग तथा सूक्ष्म पाषाण (माइक्रोलिथ) उपकरणों का अभाव

बुर्जहोम में भूमि के नीचे निवास का साक्ष्य मिलता है। यहाँ के लोग शिकार करते व मछली पकड़ते थे।

Scanned with CamScanner